PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
BILASPUR

LABORATORY MANUAL

Post Graduate Diploma in Journalism & Mass Communication

(PGDJMC)

Department of Hindi

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH, BILASPUR

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-1
PSSOU, CG Bilaspur

REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Remove Watermark Wondershare PDFelement

पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन

परियोजना-कार्य प्रतिवेदन
नियमावली

Wondershare PDFelement

हिंदी विभाग

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़

कोनी-बिरकोना मार्ग, बिलासपुर-495009

Remove Watermark Wondershare PDFelement

परियोजना कार्य प्रतिवेदन प्रारूप

परियोजना कार्य के मुख्यत: तीन भाग किए जा सकते हैं-1. प्रारंभिक 2. परियोजना कार्य का लेखन 3. अनुलग्नक।

1. प्रारंभिक :

1) शीर्षक पृष्ठ (बाहरी आवरण पृष्ठ) रंगीन हो (जैसा कि अनुलग्नक-एक में दिया गया है)
2) शीर्षक पृष्ठ (भातरी मुख्य पृष्ठ) रंगीन हो (जैसा कि अनुलग्नक-दो में दिया गया है)
3) परियोजनाकर्ता का घोषणा-पत्र
4) निर्देशक का प्रमाण-पत्र
5) आभार (वैकल्पिक)
6) अनुक्रमावली
7) तालिका की सूची (यदि हो)
8) छायाचित्रों की सूची (यदि हो)
9) प्रस्तावना
10) अध्याय-एक, दो, तीन..... जैसा कि परियोजना कार्य लेखन, विश्लेषण, परिणाम में आवश्यक लगे।

2. परियाजना कार्य का लेखन :

परियोजना-कार्य प्रतिवेदन लेखन-कार्य अध्यायों में विभक्त किया जाना चाहिए, जिससे कार्य प्रगति लिखी जा सके। प्रत्येक अध्याय संपूर्ण परियोजना कार्य से संबंधित होते हैं और एक-दूसरे अध्यायों से अनुक्रमानुसार जुड़े हुए तथ्य आधारित विश्लेषणात्मक जानकारी प्रस्तुत करते हैं। सामन्यत: इन अध्यायों को इस तरह विभक्त किया जा सकता है-

प्रथम अध्याय : प्रस्तावना

जिस विषय का चुनाव किया है या जिस पर परियोजना कार्य-प्रतिवेदन लिखा जा रहा है, उसके बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की जानी चाहिए। इसमें विषय का चुनाव किसलिए किया, परियोजना-कार्य का क्षेत्र और विस्तार क्या है, इस का उल्लेख करते हुए उस विषय पर पूर्व में किए गए कार्य (यदि हों) का परिचय देना चाहिए। किए जाने वाले परियोजना-कार्य का उद्देश्य और संभावित महत्व के बारे में भी लिखा जाना चाहिए।

Remove Watermark Wondershare PDFelement

द्वितीय अध्याय : संबंधित साहित्य का अध्ययन

जिस विषय पर परियोजना-कार्य किया जा रहा है उससे संबंधित सैधांतिक साहित्य के बारे में जानकारी प्रस्तुत की जानी चाहिए। यहाँ यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि जिन सैधांतिक पुस्तकों, तथ्यों की जानकारी प्रस्तुत की जा रही है वे संदर्भित पुस्तकें हों, तथ्य प्रमाणिक हों।

तृतीय अध्याय : शोध-प्रविधि

प्रस्तावत परियोजना-कार्य के अध्ययन में जिस प्रविधि का प्रयोग किया जाना है उसके बारे में स्पष्ट उल्लेख किया जाना चाहिए। यह परियोजना-कार्य का संरचनात्मक ढाँचा माना जाना जाता है, जिसमें शोध-परिकल्पना का उल्लेख, परियोजना-कार्य प्रतिवेदन के कितने खंड होंगे? कौन-सी शोध-प्रविधि होगी? तथ्य संकलन का आधार क्या होगा- प्राथमिक अथवा द्वितीयक या दोनों; में कौन? तथा तथ्यों के विश्लेषण में कौन-सी तकनीकी या टूल का उपयोग किया जाएगा? इस का जाना चाहिए।

चतुर्थ अध्याय : शोध-सामग्री का विश्लेषण

इसमें शिक्षार्थी द्वारा संकलित सामग्री का विश्लेषण किया जाता है। विश्लेषण का आधार शोध-प्रविधि में उल्लेखित विश्लेषण तकनीकी या टूल होती है।

पंचम् अध्याय : परिणाम

संकलित सामग्री का विश्लेषण से प्राप्त परिणाम इसमें लिखा ताता है। यहाँ यह भी ध्यान रखा जाना उचित होगा कि परिणाम प्राप्त; परिकल्पना के अनुरूप प्राप्त हुआ है अथवा नहीं। इस का उल्लेख करते हुए शिक्षार्थी को सुझाव लिखने चाहिए।

संदर्भ/सहायक ग्रंथ-सूची

इसमें एमएलए या एपीए स्टाइल से संदर्भ ग्रंथों, पत्र पत्रिकाओं, वेबसाइट का उल्लेख किया जाना चाहिए। यह आवश्यक है क्योंकि शिक्षार्थी द्वारा किया गया परियोजना-कार्य लिखते समय जो भी सामग्री ली गई है वह साहित्यिक चोरी/नकल नहीं हो, वह शिक्षार्थी का मौलिक कार्य ही हो।

परिशिष्ठ

शिक्षार्थी द्वारा किया गए परियोजना-कार्य प्रश्नावली या अन्य ऐसी सामग्री जो उपयोग की गई है इसे परिशिष्ठ में संलग्न किया जाना चाहिए।

Remove Watermark Wondershare PDFelement

लेखन के लिए निर्देश :

1. अक्षरों का आकार (Font Size)
   (क) हिंदी के लिए-
      1) शीर्षक (आवरण पृष्ठ)- 18-25
      2) शीर्षक/उपशीर्षक- 16-22
      3) पाठ- 14-16
      4) पाद टिप्पणी (फुटनोट) 10-12
   (ख) अँगरेज़ी के लिए-
      1) शीर्षक (आवरण पृष्ठ)- 18-25
      2) शीर्षक/उपशीर्षक- 16-22
      3) पाठ- 12-14
      4) पाद टिप्पणी (फुटनोट) 08-10
2. मुद्रण शैली (Type Style) :-
   हिंदी Kruti Dev 010 अँगरेज़ी Times New Roman
3. हाशिया (Margins) :-
   कम-से-कम 3.17-3.80 सेमी बायीं और दायी ओर, 2-2.54 सेमी ऊपर और नीचे। पृष्ठ संख्या नीचे मध्य या दायी और लिखा जा सकता है।
4. परियोजना कार्य मुद्रित किया जाना चाहिए। मुद्रण के लिए हिंदी (Kruti Dev 010, Size, 14-16), अँगरेज़ी (Times New Roman Size, 12-14), मुद्रण के लिए ए-4 आकार के पेपर पर एक तरफ डबल स्पेस (One side Double Space) पर मुद्रित होना चाहिए।
5. परियोजना-कार्य हॉर्ड बाउंड (रंगीन बाह्य एवं भीतरी मुख्य आवरण पृष्ठ) में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
6. परियोजना कार्य की तीन प्रतियाँ बनायी जानी चाहिए, जिसमें दो प्रतियाँ जमा की जानी चाहिए और एक स्वयं शिक्षार्थी को सुरक्षित रखना चाहिए।

3.अनुलग्नक

परियोजना कार्य में संलग्न किए जाने वाले आवश्यक प्रपत्रक के अनुलग्नक में बताए गए प्रारूप अनुसार हों-

Remove Watermark Wondershare PDFelement

अनुलग्नक-1 (बाह्य आवरण पृष्ठ)

शीर्षक (परियोजना कार्य)

(फॉन्ट साइज 18-25, बोल्ड और डबल स्पेसिंग)

(दो लाइन गेप करें)

पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकशन पत्रोपाधि हेतु

प्रस्तुत

परियोजना-कार्य प्रतिवेदन

(फॉन्ट साइज 16-22, बोल्ड और सिंगल स्पेसिंग)

(दो लाइन गेप करें)

अकादिमिक सत्र्

(फॉन्ट साइज 16-22, बोल्ड और सिंगल स्पेसिंग)

(दो लाइन गेप करें)

निर्देशक **शिक्षार्थी का नाम**

(फॉन्ट साइज 16-20, बोल्ड और डबल स्पेसिंग, ताकि हस्ताक्षर हो सकें)

(नाम, पद नाम) **नामांकन क्रमांक**

(फॉन्ट साइज 16-18, बोल्ड और सिंगल स्पेसिंग)

(दो लाइन गेप करें)

हिंदी-विभाग

(फॉन्ट साइज 16-22, बोल्ड और सिंगल स्पेसिंग)

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़

(फॉन्ट साइज 16-24, बोल्ड)

Remove Watermark Wondershare PDFelement

अनुलग्नक-2 (भीतरी मुख्य आवरण पृष्ठ)

शीर्षक (परियोजना कार्य)

(फॉन्ट साइज 18-25, बोल्ड और डबल स्पेसिंग)

(दो लाइन गेप करें)

पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकशन पत्रोपाधि हेतु

प्रस्तुत

परियोजना-कार्य प्रतिवेदन

(फॉन्ट साइज 16-22, बोल्ड और सिंगल स्पेसिंग)

(दो लाइन गेप करें)

अकादिमिक सत्र्

(फॉन्ट साइज 16-22, बोल्ड और सिंगल स्पेसिंग)

(दो लाइन गेप करें)

निर्देशक **शिक्षार्थी का नाम**

(फॉन्ट साइज 16-20, बोल्ड और डबल स्पेसिंग, ताकि हस्ताक्षर हो सकें)

(नाम, पद नाम) **नामांकन क्रमांक**

(फॉन्ट साइज 16-18, बोल्ड और सिंगल स्पेसिंग)

(दो लाइन गेप करें)

हिंदी-विभाग

(फॉन्ट साइज 16-22, बोल्ड और सिंगल स्पेसिंग)

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़

(फॉन्ट साइज 16-24, बोल्ड)

Remove Watermark Wondershare PDFelement

अनुलग्नक–3

घोषणा–पत्र

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने.....(शिक्षार्थी का नाम) शीर्षक..... (शीर्षक का नाम) विषय पर पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन पाठ्यक्रम हेतु परियोजना–कार्य प्रतिवेदन मेरे द्वारा संकलित सामग्री/तथ्यों/आकड़ों पर आधारित है जिसे मैंने.....(निर्देशक का नाम, पद, संस्था) के निर्देशन में पूर्ण किया है–

मेरे द्वारा किया गया यह परियोजना–कार्य अनुसंधानपरक एवं स्वयं का मौलिक कार्य है, तथा यह भी कि–

1. यह परियोजना–कार्य मेरे द्वारा संपन्न किया गया है।
2. यह परियोजना–कार्य किसी अन्य संस्था में उपाधि/पत्रोपाधि/प्रमाण–पत्र हेतु इस विश्वविद्यालय या किसी भी अन्य विश्वविद्यालय या संस्थान में जमा नहीं किया गया है।
3. मैंने जो भी सामग्री (सैद्धांतिक पाठ, तथ्य, आकड़े, विश्लेषण तकनीकी) अन्य स्रोतो से अपने परियोजना–कार्य के ली है, उस का संदर्भ सहित उल्लेख किया है।
4. यह परियोजना–कार्य मेरे अधिकतम संज्ञान में साहित्यिक चोरी/नकल में पूर्णत: मुक्त है।
5. मैंने विश्वविद्यालय की परियोजना–कार्य नियमावली का अनुपालन किया है।

स्थान :

दिनांक :

(शिक्षार्थी का नाम और हस्ताक्षर)

नामांकन क्रमांक :

Remove Watermark Wondershare PDFelement

अनुलग्नक–4

प्रमाण–पत्र

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता/करती हूँ कि.....(शिक्षार्थी का नाम) का परियोजना–कार्य शीर्षक.....(परियोजना कार्य का शीर्षक) विषय पर पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर के पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन की पत्रोपाधि के लिए प्रस्तुत किया है। शिक्षार्थी द्वारा घोषणा–पत्र में उल्लेखित घोषणा के अनुसार यह उन का मौलिक कार्य है।

मेरी जानकारी के अनुसार यह परियोजना–कार्य–

1. शिक्षार्थी के स्वयं के द्वारा किया गया है।
2. विधिवत पूर्ण किया गया कार्य है।
3. यह परियोजना–कार्य तथ्य और भाषा की दृष्टि से स्तरीय है, परीक्षण के लिए अग्रेषित किया जा सकता है।

स्थान :

दिनांक :

मार्गदर्शक

हस्ताक्षर

(निर्देशक का नाम, पद)

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त)

विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़

Remove Watermark Wondershare PDFelement

अनुलग्नक-5

अनुक्रमणिका

भूमिका.....I

तालिका की सूची..... II

छायाचित्रों की सूची..... III

शब्द संकेत..... IV

अध्याय	पृष्ठ संख्या
प्रथम अध्याय : प्रस्तावना	00-00
द्वितीय अध्याय : संबंधित साहित्य का अध्ययन	00-00
तृतीय अध्याय : शोध-प्रविधि	00-00
चतुर्थ अध्याय : शोध-सामग्री का विश्लेषण	00-00
पंचम् अध्याय : परिणाम एवं सुझाव	00-00
संदर्भ/सहायक ग्रंथ-सूची-	00-00
परिशिष्ठ	

Wondershare PDFelement

अनुलग्नक-

अनुक्रमणिका

भूमिका.....I

तालिका की सूची..... II

छायाचित्रों की सूची..... III

शब्द संकेत..... IV

अध्याय	पृष्ठ संख्या
प्रथम अध्याय : प्रस्तावना	00-00
द्वितीय अध्याय : संबंधित साहित्य का अध्ययन	00-00
तृतीय अध्याय : शोध-प्रविधि	00-00
चतुर्थ अध्याय : शोध-सामग्री का विश्लेषण	00-00
पंचम् अध्याय : परिणाम एवं सुझाव	00-00
संदर्भ/सहायक ग्रंथ-सूची-	00-00

परिशिष्ठ

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur